

SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY

GODHARA

U.G COURSES IN HINDI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

[COURSE: B.A. SEMESTER – IV]

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर - IV

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम का प्रारूप एवं संरचना

वर्ष – २०१७- १८

BY

SYLLABUS COMMITTEE – HINDI

सेमेस्टर- IV (द्वितीय वर्ष बी.ए)

COURSES: (प्रश्नपत्र) **CREDIT- 4**

CORE HIN 211 (मुख्य) मध्यकालीन कविता

CORE HIN 212 (मुख्य) निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

CORE HIN 213 (मुख्य) हिन्दी साहित्य का इतिहास –सगुण भक्तिकाल एवं रीतिकाल

ELECTIVE-I HIN 211 (गौण) मध्यकालीन कविता

ELECTIVE-I HIN 212 (गौण) निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर – IV

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम का प्रारूप एवं संरचना

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

211 मध्यकालीन कविता [Core course & Elective-I- CREDIT- 4]

पाठ्यपुस्तक :- प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य

संपादक :- डॉ.वीरेन्द्रनारायण सिंह, धूमिल प्रकाशन,अहमदाबाद

युनिट	पाठ्यक्रम
१	१ कबीर
	गुरुदेव कौ अंग विरह कौ अंग माया कौ अंग कथनी बिना करणी कौ अंग निंघा कौ अंग
	२ जायसी
	नागमती वियोग खंड- १ से १७
२	१ सूरदास
	सगुणोपासना- पद- २ श्रीकृष्ण जन्म- पद – ४,५,,६,८ राधा-कृष्ण – पद - ९ विरह-वियोग- पद -१२,१३,१४,१५,१६,१७
	२ तुलसीदास
	बाललीला वनमार्ग में राम-लक्ष्मण-सीता
३	१ मीराबाई
	विरोध- पद- १६,१७ उपालंभ विरह यातना
	२ बिहारी
	रूप-वर्णन विरह

४	१ घनानंद
	कवित्त- ३,४ सवैया- १८,१९,२०,२१
	२ रहीम
	दोहा संख्या १ से ११

संदर्भ ग्रंथ :

- १ कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- २ कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
- ३ जायसी का पदमावत : काव्य तथा दर्शन – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत
- ४ जायसी एक अध्ययन – डॉ.रणधीर श्रीवास्तव
- ५ पदमावत का अनुशीलन – डॉ. इन्द्रचंद्र नारद
- ६ सूर का भ्रमरगीत – डॉ.पुरुषोत्तम बाजपेयी
- ७ सूरदास और उनका भ्रमरगीत – प्रो.रामकुमार शर्मा
- ८ तुलसी एक अध्ययन – डॉ. रामप्रसाद मिश्र
- ९ गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ.रमेशचंद्र शर्मा
- १० मध्ययुगीन काव्य के आधार स्तंभ – डॉ. तेजपाल चौधरी
- ११ भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार – डॉ. विष्णुदास वैष्णव
- १२ मीरों का व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ.संजय मल्होत्रा
- १३ मीरोंबाइ का जीवनवृत्त एवं काव्य – डॉ. कल्यापसिंह शेखावत
- १४ मीरों का रचना संसार – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
- १५ हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारीका प्रसाद सक्सेना
- १६ घनानंद कवित्त – डॉ. पारसनाथ तिवारी
- १७ घनानंद का साहित्यक अवदान – डॉ.हनुमंत रणखांबे

212 निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

[Core course & Elective-I- CREDIT- 4]

युनिट	पाठ्यक्रम	
१	निबंध:	
	१	साहित्य का स्वरूप – रामचंद्र शुक्ल
	२	साहित्य और जीवन – नन्द दुलारे बाजपेयी
२	निबंध	
	१	नाखून क्यों बढते है ? -हजारी प्रसाद द्विवेदी
	२	मेरा गाँव - घर – विद्यानिवास मिश्र
३	रेखाचित्र और संस्मरण	
	१	गोरा – महादेवी वर्मा
	२	महाकवि जयशंकर प्रसाद – शिवपूजन सहाय
४	व्यंग्य	
	१	भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
	२	अतिथि! तुम कब जाओगे - शरद जोशी

संदर्भ ग्रंथ :

१ आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य – हरदयाल

- २ साहित्य में गद्य की नई विधाएँ - कैलाशचन्द्र भाटीया
- ३ हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
- ४ हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार - द्वारीका प्रसाद सक्सेना
- ५ हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ – डॉ. हरिमोहन
- ६ विद्यानिवास मिश्र का निबंधालोक - डॉ. दिलीप देशमुख
- ७ छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- ८ हिन्दी गद्य: विन्यास और विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
- ९ हिन्दी व्यंग्य विधा: शास्त्र और इतिहास – डॉ. बापूराव देसाइ
- १० हरिशंकर परसाई के व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि – प्रो. राधेमोहन शर्मा
- ११ हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग चेतना - कु. आभा भट्ट
- १२ हिन्दी रेखाचित्र – डॉ. हरवंशलाल शर्मा
- १३ महादेवी का गद्य साहित्य – माखनलाल शर्मा
- १४ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - चौथीराम यादव
- १५ रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – डॉ. रामविलास शर्मा
- १६ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदीजी के उपन्यासों का अनुशीलन – डॉ. धनंजय चौहान

213 हिन्दी साहित्य का इतिहास –सगुण भक्तिकाल एवं रीतिकाल

[Core course- CREDIT- 4]

युनिट	पाठ्यक्रम
१	भक्तिकाल
	भक्तिकाल की परिस्थितियाँ वैष्णव भक्ति के प्रतिष्ठापक प्रमुख आचार्य सगुण भक्ति की विशेषताएँ
२	रामभक्ति शाखा
	रामभक्ति का स्वरूप रामभक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ रामभक्ति काव्य के प्रमुख कवि एवं कृति - तुलसीदास कवितावली
३	कृष्णभक्तिशाखा
	कृष्णभक्ति काव्य का स्वरूप कृष्णभक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ अष्टछाप का परिचय कृष्णभक्ति काव्य के प्रमुख कवि एवं प्रमुख कृति – -सूरदास -भँवरगीत (नंददास)

४	रीतिकाल
	रीतिकाल का नामकरण और परिस्थितियाँ रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ- रीतिबद्ध, रीतिमुक्त रीतिकाल के प्रमुख कवि और कृति - बिहारी, घनानंद कवित्त (घनानंद)

संदर्भ ग्रंथ :

- १ हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
- २ हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ३ हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- ४ हिन्दी साहित्य इतिहास – सं.डॉ.नगेन्द्र
- ५ हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- ६ हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ७ हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ८ हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा
- ९ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चनसिंह
- १० तुलसी एक अध्ययन – डॉ.रामप्रसाद मिश्र
- ११ सूरदास और उनका भ्रमरगीत – प्रो.रामकुमार शर्मा
- १२ मीरों का रचना संसार – डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
- १३ गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
- १४ जायसी का पदमावत : काव्य तथा दर्शन – डॉ.गोविन्द त्रिगुणायत